दैनिक
जयवर्द्धन
पत्र पंजीयन संख्या RJBIL/26/A5478

पेज 2 पर पढ़े - गौ विज्ञान परीक्षा के पोस्टर का विमोचन

वर्ष - 01 | अंक - 42 | राजसमंद - गुरुवार, 03 सितम्बर 2026 | मूल्य - 2 रुपया | मो.- 96729 80901 | पृष्ठ - 4

वसूली के फेर में अटका वेतन, एक सितंबर को कर्मचारियों की उम्मीदों पर फिरा पानी

- जीपीएफ, आरजीएचएस और पटवारियों के अधिक भुगतान की वसूली को लेकर जिला कोष कार्यालय की सख्ती

- ड्यू टू एजी रिकरवरी ऑब्जेक्शन से वेतन बिल अटके

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। महीने की पहली तारीख कर्मचारियों के लिए यह दिन सिर्फ कैलेंडर की तारीख नहीं होता, बल्कि घर का बजट संभालने, बच्चों की फीस जमा करने, ईएमआई चुकाने और रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने की उम्मीद का दिन होता है। लेकिन इस बार जिले के कई सरकारी कर्मचारियों के लिए एक सितंबर उम्मीद के बजाय मायूसी लेकर आया। निर्धारित प्रक्रिया के तहत वेतन बिल आगे भेजे जाने के बावजूद बड़ी संख्या में कर्मचारियों का वेतन उनके खातों में नहीं पहुंच सका। मामला महालेखाकार की जन लेखा समिति द्वारा कर्मचारियों के जीपीएफ में निर्धारित स्लैब से कम राशि जमा होने, आरजीएचएस में निर्धारित स्लैब के अनुसार राशि जमा नहीं होने तथा पटवारियों को अधिक भुगतान से जुड़ी वसूली का बताया जा रहा है। समिति द्वारा वसूली को गंभीरता से लिए जाने के बाद जिला कोष कार्यालय राजसमंद ने जुलाई और अगस्त 2026 में जिले के विभिन्न आहरण एवं वितरण अधिकारियों डीडीओं को पत्र जारी कर संबंधित कर्मचारियों से वसूली राशि जमा कराने के निर्देश दिए।

वेतन बिल पहुंचा, लेकिन ऑब्जेक्शन ने रोक दिया भुगतान

स्थिति तब गंभीर हो गई जब अगस्त माह का वेतन भुगतान, जो सामान्यतः एक सितंबर को कर्मचारियों के खातों में पहुंचना था, कई कर्मचारियों को नहीं मिल पाया। विभिन्न कार्यालयों से वेतन बिल जिला कोष कार्यालय को फॉरवर्ड किए गए, लेकिन उन पर एक ही तरह का ऑब्जेक्शन लगा - ड्यू टू एजी रिकरवरी, यानी वेतन बिल प्रक्रिया में होने के बावजूद वसूली राशि का मामला भुगतान में बाधा बन गया। इसका सीधा असर उन कर्मचारियों पर पड़ा, जिनका संबंधित वसूली प्रकरण से सामना हुआ।

वेतन का इंतजार करते रहे कर्मचारी, मदद को आगे आए साथी

एक सितंबर की सुबह कई कर्मचारी मोबाइल पर बैंक खाते का बैलेंस और मैसेज देखते रहे। उम्मीद थी कि हर महीने की तरह वेतन खाते में आ जाएगा। लेकिन जब भुगतान नहीं हुआ तो मायूसी बढ़ती गई। सबसे मुश्किल स्थिति उन कर्मचारियों के सामने आई, जिनके घर का मासिक खर्च पूरी तरह वेतन पर निर्भर है। कुछ कर्मचारियों को वसूली राशि जमा कराने के लिए अपने ही साथी कर्मचारियों से आर्थिक मदद लेनी पड़ी, ताकि वेतन भुगतान की अड़चन दूर हो सके। एक कर्मचारी ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि महीने की शुरुआत में ही वेतन रुक जाना परिवार के पूरे बजट को प्रभावित करता है। यदि वसूली की राशि जमा कराना जरूरी था तो कर्मचारियों को पर्याप्त समय और स्पष्ट प्रक्रिया की जानकारी पहले उपलब्ध कराई जानी चाहिए थी।

शिक्षा विभाग में सबसे ज्यादा परेशानी

इस पूरी प्रक्रिया में सबसे ज्यादा परेशानी शिक्षा विभाग के आहरण एवं वितरण अधिकारियों को उठानी पड़ी। विभाग में बड़ी संख्या में कर्मचारी हैं और इनमें से कई कर्मचारियों के स्थानांतरण भी हो चुके हैं। स्थानांतरण के बाद संबंधित कर्मचारी का वर्तमान पदस्थापन, पूर्व कार्यालय से जुड़ी वेतन एवं वसूली संबंधी जानकारी तथा जिम्मेदार डीडीओ के स्तर पर प्रक्रिया पूरी करना चुनौती बन गया। ऐसे मामलों में पुराने और नए कार्यालय के बीच समन्वय की जरूरत बढ़ गई। डीडीओ के सामने भी समस्या यह रही कि जिन कर्मचारियों का स्थानांतरण हो चुका है, उनसे संबंधित वसूली की कार्रवाई कैसे और किस स्तर पर पूरी की जाए, इसकी प्रक्रिया को लेकर अतिरिक्त पत्राचार और दस्तावेजी कार्रवाई करनी पड़ी।

एक ही ऑब्जेक्शन ने बढ़ाई परेशानी

वेतन बिलों पर ड्यू टू एजी रिकरवरी जैसा ऑब्जेक्शन लगने से कर्मचारियों में यह सवाल भी उठा कि वसूली की प्रक्रिया और वेतन भुगतान को किस सीमा तक जोड़ा जाना चाहिए। कर्मचारियों का कहना है कि यदि किसी कर्मचारी से वसूली की जानी है तो उसके लिए स्पष्ट राशि, कारण और भुगतान की अंतिम तिथि की जानकारी समय पर दी जानी चाहिए, ताकि कर्मचारी अचानक वेतन रुकने की स्थिति में न पहुंचे। दूसरी ओर कोष कार्यालय की कार्रवाई को महालेखाकार की जन लेखा समिति के निर्देशों के अनुपालन से जोड़कर देखा जा रहा है। सरकारी धन से संबंधित आपत्तियों और वसूली के मामलों में विभागीय स्तर पर कार्रवाई करना अधिकारियों की जिम्मेदारी है।

सवाल सिर्फ वसूली का नहीं, प्रक्रिया का भी

वसूली की कार्रवाई अपने स्थान पर जरूरी हो सकती है, लेकिन इस पूरे घटनाक्रम ने एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है, क्या वसूली की प्रक्रिया और वेतन भुगतान के बीच ऐसा तंत्र नहीं बनाया जा सकता, जिससे कर्मचारी का पूरा वेतन अचानक न रुके। यदि किसी कर्मचारी से कुछ हजार रुपये की वसूली होनी है और उसके कारण पूरा मासिक वेतन अटक जाता है, तो कर्मचारी के सामने आर्थिक संकट खड़ा होना स्वाभाविक है। खासकर ऐसे समय में जब अधिकांश सरकारी कर्मचारी अपने मासिक वेतन के आधार पर घर का बजट चलाते हैं।

कर्मचारियों को अब राहत और स्पष्टता का इंतजार

एक सितंबर को वेतन नहीं मिलने के बाद कर्मचारियों की नजर अब इस बात पर है कि संबंधित वसूली राशि जमा कराने और आवश्यक औपचारिकताएं पूरी होने के बाद वेतन भुगतान कब बहाल होगा। पूरे मामले ने यह भी सामने ला दिया है कि जीपीएफ, आरजीएचएस और अन्य वित्तीय कटौतियों की सही गणना एवं नियमित मिलान कितना जरूरी है। वर्षों बाद सामने आने वाली ऐसी वित्तीय आपत्तियां न केवल कर्मचारी और डीडीओ के लिए परेशानी पैदा करती हैं, बल्कि एक साथ बड़ी संख्या में कर्मचारियों के वेतन भुगतान को भी प्रभावित कर सकती हैं। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिलाध्यक्ष शंकर माली, जिला संगठन मंत्री सतीश आचार्य, जिला मीडिया संयोजक राजेंद्र सिंह चारण ने मासिक वेतन रोकने की निंदा करते हुए कहा कि जिला कोष कार्यालय को वसूली के लिए कर्मचारियों को समय भी देना चाहिए था। पिछला माह त्योहार का होने से कर्मचारियों का वेतन उसी में लग गया। ऐसे में अगस्त माह का वेतन भुगतान हो जाता तो कर्मचारियों को वसूली का भुगतान आसानी से हो सकता था।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की पहलः जिला एवं सेशन न्यायाधीश अल्का शर्मा का बच्चों से सीधा संवाद

- अजनबियों से सावधान-मना करो, दूर जाओ, बताओ विषय पर बच्चों को सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

राजसमंद। ट्रांसफॉर्मेटिव ट्यूज डे अभियान के अंतर्गत मोही स्थित महात्मा गांधी राजकीय स्कूल में विद्यार्थियों को सुरक्षा के प्रति किया जागरूक करते न्यायिक अधिकारी।

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष एवं जिला एवं सेशन न्यायाधीश अल्का शर्मा के निर्देशन में ट्रांसफॉर्मेटिव ट्यूज डे अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न राजकीय एवं निजी विद्यालयों में अजनबियों से सावधान-मना करो, दूर जाओ, बताओ विषय पर विधिक जागरूकता शिविर का उद्देश्य बच्चों को अनजान व्यक्तियों से जुड़े संभावित खतरों की पहचान करने, असुरक्षित परिस्थितियों से बचने तथा आवश्यकता पड़ने पर विश्वसनीय वयस्क से सहायता प्राप्त करने के संबंध में सरल एवं व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना रहा। जिला एवं सेशन न्यायाधीश शर्मा एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव भारत भूषण पाठक मोही स्थित महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय पहुंचे, जहां विद्यार्थियों को बच्चों की सुरक्षा, उनके अधिकारों तथा असुरक्षित परिस्थितियों से बचाव के संबंध में महत्वपूर्ण विधिक जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान विद्यार्थियों को विशेष रूप से मना करो, दूर जाओ, बताओ सुरक्षा सूत्र के माध्यम से जागरूक किया गया। विद्यार्थियों को समझाया गया कि यदि कोई व्यक्ति उनके साथ ऐसा व्यवहार करता है, कोई ऐसा अनुरोध करता है अथवा ऐसी परिस्थिति उत्पन्न होती है, जिससे उन्हें असहजता, भय या असुरक्षा महसूस हो, तो ऐसी स्थिति में चुप रहने के बजाय अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए स्पष्ट और दृढ़ता से मना करें। बच्चे अपने माता-पिता, शिक्षक, अभिभावक, विद्यालय के किसी विश्वसनीय कर्मचारी अथवा परिवार के अन्य भरोसेमंद व्यक्ति को पूरी घटना के बारे में तत्काल बताएं। समय पर जानकारी देने से आवश्यक सहायता और सुरक्षा उपलब्ध कराई जा सकती है।

सरल उदाहरणों से बच्चों को किया जागरूक

शिविर के माध्यम से विद्यार्थियों को सुरक्षित व्यवहार, जागरूकता एवं समय पर सूचना देने के महत्व को सरल एवं व्यवहारिक उदाहरणों के माध्यम से समझाया गया। बच्चों को ऑनलाइन अजनबियों, संदिग्ध संदेशों, अनजान संपर्कों तथा व्यक्तिगत जानकारी एवं फोटो साझा करने से जुड़े जोखिमों के बारे में जागरूक किया। कार्यक्रमों में बच्चों को उनके अधिकारों, व्यक्तिगत सुरक्षा एवं सुरक्षित व्यवहार के संबंध में आयु-उपयुक्त जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में पारिवारिक न्यायालय के न्यायाधीश डॉ सूर्य प्रकाश पारीक, पॉक्सो न्यायालय की न्यायाधीश पूर्णिमा गौड़, एसीडी न्यायालय के न्यायाधीश अनिल कुमार शर्मा, अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश सुनील कुमार ओझा, एससी/एसटी न्यायालय की न्यायाधीश अभिलाषा शर्मा, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भारत भूषण पाठक, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट धर्मेंद्र कुमार शर्मा, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ज्योति शर्मा, प्रधान मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड साक्षी शर्मा, न्यायिक मजिस्ट्रेट मोनिका राजपुरोहित तथा विशिष्ट न्यायाधीश, एनआई एक्ट प्रकरण यतींद्र चौधरी द्वारा विभिन्न विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

राजस्थान पुलिस की बड़ी पहलः सितंबर माह साइबर सुरक्षित राजस्थान जन-जागरूकता अभियान के रूप में मनेगा

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। राजस्थान पुलिस ने राज्यभर में बढ़ते ऑनलाइन अपराधों पर अंकुश लगाने और आमजन को सुरक्षित रखने के लिए सितंबर 2026 को साइबर सुरक्षित राजस्थान जन-जागरूकता माह के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा के निर्देशानुसार महीने भर चलने वाले इस राज्यव्यापी विशेष अभियान का मुख्य उद्देश्य ऑनलाइन ठगी से बचाव के तरीकों का व्यापक प्रचार-प्रसार करना है अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (साइबर क्राइम) विजय कुमार सिंह के अनुसार अभियान के सफल संचालन के लिए राज्य स्तर पर पुलिस अधीक्षक तथा जिला स्तर पर एएसपी को नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई। एसपी हेमंत कलाल ने बताया कि अभियान के तहत पुलिस अधिकारी पेंशन विभाग के समन्वय से वरिष्ठ नागरिकों और पेंशनर्स को डिजिटल अरेस्ट और निवेश के नाम पर होने वाली ठगी से बचाव के प्रति जागरूक करेंगे। जिला शिक्षा अधिकारियों के समन्वय से शिक्षण संस्थानों में कार्यशालाएं, सेमिनार और प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। छात्र-छात्राओं द्वारा मानव श्रृंखला बनाकर साइबर सुरक्षा का संदेश दिया जाएगा। गांव-गांव पहुंचेगा अभियान, बाजारों में नुक्कड़ नाटक सार्वजनिक स्थानों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और पर्यटन स्थलों पर नुक्कड़ नाटकों, पोस्टरों और ऑडियो-वीडियो संदेशों से जागरूकता फैलाई जाएगी। पंचायती राज और डाक विभाग के समन्वय से ग्राम पंचायत स्तर तक यह अभियान पहुंचेगा। इसके अलावा एनसीसी, एनएसएस और युवाओं के साथ जागरूकता दौड़ एवं साइकिल रैली भी निकाली जाएगी। एसपी हेमंत कलाल ने बताया कि पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार जिले के सभी थाना क्षेत्रों में सितंबर माह के दौरान विभिन्न साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके माध्यम से विद्यार्थियों, पेंशनर्स, युवाओं और ग्रामीण क्षेत्र के आमजन को साइबर अपराधों से बचाव के उपाय सिखाए जाएंगे।

पूर्व पार्षद हिम्मत मेहता ने भाजपा से दिया इस्तीफा

वार्ड 44 से निर्दलीय चुनाव मैदान में

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। नगर परिषद चुनाव के बीच भाजपा को राजसमंद में झटका लगा है। भाजपा नगर मंडल उपाध्यक्ष हिम्मत कुमार मेहता ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता व अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। मेहता ने भाजपा जिलाध्यक्ष जगदीश पालीवाल को भेजे इस्तीफा पत्र में पार्टी की प्राथमिक सदस्यता एवं वर्तमान उपाध्यक्ष पद से इस्तीफा देने की बात कही है।

उन्होंने पत्र में पार्टी की ओर से दिए गए अवसर एवं सहयोग के लिए आभार भी व्यक्त किया है। गौरतलब है कि हिम्मत मेहता नगर परिषद के वार्ड नंबर 44 से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में हैं। ऐसे में चुनाव के दौरान उनका भाजपा से इस्तीफा राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

उनके इस्तीफे से वार्ड 44 के चुनावी समीकरणों पर भी असर पड़ने की संभावना है।

राजसमंद में टूटी नाली बनी आफत : वार्ड 37 में सड़क पर बह रहा गटर का पानी

- 20 दिन बाद भी नगर परिषद ने नहीं ली सुध

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। नगर परिषद राजसमंद के वार्ड नंबर 37 में सफाई व्यवस्था की बदहाली से मोहल्लेवासी खासे परेशान हैं। वार्ड स्थित शहरी चिकित्सालय मंडा के पीछे और खंड मेडिकल ऑफिस के सामने टूटी नाली से गटर का गंदा पानी सरेआम सड़क पर बह रहा है, जिससे राहगीरों और स्थानीय लोगों का निकलना दूभर हो गया है। स्थानीय निवासी राजेंद्र सिंह चारण ने बताया कि शेषकरण चारण के घर के सामने बनी नाली पिछले कई दिनों से क्षतिग्रस्त है। नाली का गंदा पानी सड़क पर फैलने से पूरे मोहल्ले में बदबू और गंदगी का आलम है। इससे संक्रामक बीमारियों और कीटाणुओं के फैलने का खतरा लगातार बना हुआ है, जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। मोहल्लेवासियों का कहना है कि समस्या के समाधान के लिए नगर परिषद आयुक्त को 15 से 20 दिन पहले लिखित में शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत के बाद नगर परिषद की टीम ने मौके पर पहुंचकर सत्यापन भी किया, लेकिन इसके बावजूद आज तक समस्या का कोई स्थायी निराकरण नहीं किया गया। प्रशासन की इस अनदेखी और लापरवाही से आक्रोशित वार्ड वासियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही नाली की मरम्मत करवाकर गंदे पानी की निकासी की व्यवस्था नहीं की गई, तो वे जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर समस्या से अवगत कराएंगे।

जयवर्द्धन सम्पादकीय

राम मंदिर का संचालन

राम मंदिर केवल एक भव्य धार्मिक परिसर नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था, विश्वास और भावनाओं का केंद्र है। ऐसे में इसकी व्यवस्था का संचालन सामान्य प्रशासनिक जिम्मेदारी से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। राम मंदिर ट्रस्ट के पहले मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में पूर्व एयर मार्शल जितेंद्र मिश्र की नियुक्ति इसी आवश्यकता की ओर संकेत करती है कि मंदिर की विशाल और जटिल व्यवस्थाओं को संभालने के लिए कुशल एवं अनुभवी पेशेवर नेतृत्व जरूरी है।

हालांकि यह नियुक्ति उस समय हुई है, जब मंदिर में चढ़ावे की चोरी का मामला सामने आया और इससे प्रबंधन की व्यवस्थाओं को लेकर सवाल उठे। ऐसे घटनाक्रम स्वाभाविक रूप से मंदिर प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं। बेहतर होता कि इतनी व्यापक व्यवस्था वाले मंदिर के लिए पेशेवर प्रशासनिक ढांचे की आवश्यकता को पहले ही गंभीरता से समझ लिया जाता। अब जबकि यह जिम्मेदारी जितेंद्र मिश्र को सौंपी गई है, उनसे अपेक्षाएं भी स्वाभाविक रूप से बड़ी हैं।

जितेंद्र मिश्र सैन्य सेवा के दौरान विभिन्न अभियानों में अपनी दक्षता का परिचय दे चुके हैं। ऐसे अनुभव से यह उम्मीद की जा सकती है कि वे अनुशासन, व्यवस्था, निगरानी और प्रबंधन को प्राथमिकता देते हुए राम मंदिर के प्रशासन को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। हालांकि मंदिर ट्रस्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी की भूमिका किसी सैन्य अधिकारी की जिम्मेदारियों से पूरी तरह अलग है, लेकिन कुशल नेतृत्व, निर्णय क्षमता और बेहतर प्रबंधन की आवश्यकता दोनों ही क्षेत्रों में समान रूप से महत्वपूर्ण होती है।

राम मंदिर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। ऐसे में दर्शन व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण, साफ-सफाई, सुरक्षा, सुविधाओं और प्रशासनिक व्यवस्थाओं का सुचारु संचालन बड़ी चुनौती है। इसके साथ ही मंदिर में आने वाले दान और चढ़ावे का व्यवस्थित एवं पारदर्शी प्रबंधन भी उतना ही महत्वपूर्ण है। श्रद्धालुओं के मन में यह विश्वास बना रहना चाहिए कि उनके द्वारा श्रद्धा से दिया गया प्रत्येक दान पूरी पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ धार्मिक एवं मंदिर संबंधी व्यवस्थाओं में उपयोग हो रहा है।

यही कारण है कि मंदिर के प्रशासनिक और वित्तीय पक्ष को मजबूत बनाने के साथ-साथ व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना आवश्यक है। किसी भी प्रकार की अनियमितता न केवल आर्थिक विषय बनती है, बल्कि उससे करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाएं भी प्रभावित होती हैं। राम मंदिर जैसे आस्था के केंद्र में व्यवस्था की छोटी-सी खामी भी बड़ी चर्चा का विषय बन सकती है।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी का कार्यक्षेत्र मुख्य रूप से दैनिक प्रशासन, दर्शन व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन, दान तथा वित्तीय गतिविधियों से जुड़ा रहेगा। वहीं मंदिर के धार्मिक अनुष्ठानों और परंपराओं से जुड़े विषयों में ट्रस्ट के अन्य सदस्यों तथा संत समाज की भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी। इसलिए मंदिर की व्यवस्था तभी प्रभावी ढंग से चल सकती है, जब ट्रस्ट के सभी सदस्य अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी और समन्वय के साथ करें। राम मंदिर के संचालन को लेकर संत समाज की ओर से यह मांग भी उठती रही है कि मंदिर की व्यवस्था में उनकी प्रमुख भूमिका हो। लेकिन मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की विशाल संख्या, सुरक्षा, प्रशासन, वित्तीय प्रबंधन और आधुनिक व्यवस्थाओं की आवश्यकताओं को देखते हुए प्रशासनिक दक्षता रखने वाले लोगों की भूमिका से भी इनकार नहीं किया जा सकता। धार्मिक आस्था और आधुनिक प्रबंधन के बीच संतुलन ही इस व्यवस्था को मजबूत आधार दे सकता है।

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के संगठन मंत्री सतीश आचार्य का स्वागत

जयवर्द्धन न्यूज़

कवि विवेक कुमार कुशवाहा, देवराज कुशवाहा, इल्तजाह खान, कोऑर्डिनेटर अजीम प्रेमजी फाउंडेशन भीम एवं ब्लॉक नव चयनित शिक्षिका सीता योगी का राकेश कुमार मीणा पीईईओ, धनसुख जैन, काव्य गोष्ठी मंच कांकरोली के सूर्य प्रकाश दीक्षित सहित शिक्षकों का प्रकृति प्रेमी शिक्षक कैलाश सामोता ने का स्वागत किया गया। इस दौरान जिले में नव-पदस्थापित वरिष्ठ अध्यापकों का यथार्थ गीता एवं पौधे भेंट कर सम्मान किया गया। उन्होंने स्वामी अड़गड़ानंद महाराज द्वारा रचित यथार्थ गीता पुस्तक, महुआ का पौधा, उपरना तथा पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया।

राजसमंद। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिला संगठन मंत्री सतीश आचार्य का स्वागत करते शिक्षक।

कार्यक्रम के दौरान शिक्षक कैलाश सामोता ने संगठन मंत्री से जिले की सभी 11 उपशाखाओं में पदस्थापित शिक्षकों व संस्था प्रधानों की विभागीय समस्याओं के समाधान, पौधारोपण की वास्तविक प्रगति और प्रभावी प्रार्थना सभाओं के आयोजन पर चर्चा की। इसके साथ ही वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर विद्यालयों में नियमित गायन कराने, विद्यालयों के संबलन तथा यथार्थ गीता को विद्यालयी पाठ्यक्रम में शामिल करने की मांग पर विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम के अंत में नई शिक्षा नीति को अविलंब लागू करवाने के संबंध में संगठन की ओर से ज्ञापन प्रेषित कर सार्थक प्रयास करने का आग्रह किया गया।

जिले में विजन नशा मुक्त भारत के तहत व्यापक जन-जागरूकता अभियान संपन्न

- 12 हजार से अधिक विद्यार्थियों को किया गया जागरूक

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। केंद्र सरकार के विजन नशा मुक्त भारत के अंतर्गत देशभर में नशीले पदार्थों की तस्करी एवं सेवन पर प्रभावी रोकथाम के लिए चलाए गए फोर्टनाइटली स्पेशल ड्राइव फॉर नारकोटिक्स कंट्रोल के तहत जिले में व्यापक नशा मुक्ति जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। यह विशेष अभियान नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (गृह मंत्रालय भारत सरकार) तथा महानिदेशक पुलिस राजस्थान के निर्देशों की पालना में अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (एटीएस, एनटीएफ एवं एजीटीएफ जयपुर) के आदेशानुसार संचालित किया गया। जिला कलेक्टर अरुण कुमार हसीजा की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय एन-कॉर्ड समिति के अंतर्गत एसपी हेमंत कलाल के निर्देशन तथा एएसपी महेंद्र पारीक एवं एएसपी (त्वरित अनुसंधान प्रकोष्ठ) बंशीलाल के पर्यवेक्षण में जिले के सभी सरकारी व निजी स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन हुआ।

12 हजार विद्यार्थियों को दिलाई नशा मुक्ति की शपथ

एसपी हेमंत कलाल ने बताया कि 16 से 31 अगस्त के दौरान आयोजित अभियान में लगभग 12 हजार विद्यार्थियों को नशीले पदार्थों के दुष्परिणामों, नशे की सप्लाई चेन, बचाव के उपायों और इससे जुड़े कानूनी प्रावधानों व दंड की जानकारी देकर जागरूक करने के साथ ही विद्यार्थियों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व जारी संपूर्ण नशा मुक्ति जागरूकता अभियान के दौरान जिले के 479 सरकारी व निजी शिक्षण संस्थानों में आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से 90 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने सहभागिता की थी। प्रतियोगिताओं में ब्लॉक स्तर पर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 31 विद्यार्थियों (9 प्रथम, 13 द्वितीय और 10 तृतीय) को नकद राशि व पारितोषिक से सम्मानित किया गया।

राजसमंद। नशा मुक्ति को लेकर आलोक स्कूल में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम को सम्बोधित करते एसपी हेमंत कलाल।

लघु फिल्मों और नुक्कड़ नाटकों से दिया जागरूकता का संदेश

आयोजन के दौरान विद्यार्थियों को शॉर्ट वेब मूवी शिकंजा तथा बीएपीएस स्वामीनारायण संस्था की प्रेरक प्रस्तुति चलो तोड़ दें ये बंधन दिखाई गई। इसके अतिरिक्त पीपीटी प्रस्तुतियों, पोस्टरों, नुक्कड़ नाटकों, प्रश्नोत्तरी और संवादात्मक गतिविधियों के जरिए नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक, पारिवारिक व सामाजिक नुकसान की जानकारी दी गई। स्कूलों में नशा मुक्ति क्लबों को सक्रिय कर विद्यार्थियों को अपने परिवार व समाज में अलख जगाने के लिए प्रेरित किया गया।

सितंबर में होगी जिला स्तरीय एन-कॉर्ड बैठक

आगामी सितंबर माह में जिला स्तरीय एन-कॉर्ड की बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें नशे की रोकथाम, जन-जागरूकता, विभागीय समन्वय और तस्करी के खिलाफ कार्रवाई जैसे तय एजेंडे पर चर्चा कर आगामी गतिविधियों की रूपरेखा तैयार की जाएगी। जिला कलेक्टर अरुण कुमार हसीजा ने कहा कि नशा मुक्त समाज का निर्माण केवल प्रशासनिक कार्रवाई से नहीं, बल्कि परिवार, विद्यालय और समाज की सामूहिक भागीदारी से संभव है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल प्रशासन या पुलिस को देने का आह्वान किया। एसपी हेमंत कलाल ने अभियान में सहयोग देने वाले सभी विभागों, अधिकारियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों, गैर-सरकारी संगठनों और सामाजिक संस्थाओं का आभार व्यक्त किया। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि जिले में नशीले पदार्थों की बिक्री या तस्करी से जुड़ी कोई भी जानकारी नारको टिप हेल्पलाइन 8764854070 पर दें। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी।

भारत की अर्थव्यवस्था के 7.8 प्रतिशत विकास दर पर बोली विधायक दीप्ति

- आंकड़े नहीं, नए भारत के सामर्थ्य का प्रमाण

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने भारतीय अर्थव्यवस्था की 7.8 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि दर को मोदी सरकार की दूरदर्शी आर्थिक और विदेश नीति की बड़ी सफलता बताया। उन्होंने कहा कि यह आंकड़ा महज संख्या नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की बढ़ती शक्ति और 140 करोड़ देशवासियों के विश्वास का परिणाम है। विधायक माहेश्वरी ने बताया कि पिछले तीन वित्तीय वर्षों में भारत की विकास दर लगातार 7 प्रतिशत से ऊपर रही है, जबकि वैश्विक औसत विकास दर 2.9 प्रतिशत से भी कम है। उन्होंने कहा कि वेस्ट एशिया संकट, बढ़ी ऊर्जा कीमतों और अनिश्चित वैश्विक व्यापार परिस्थितियों के बावजूद भारत आज दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है।

विधायक ने सेवा, विनिर्माण और कृषि क्षेत्रों की समग्र भागीदारी को इस उपलब्धि का आधार बताते हुए कहा कि पीएलआई योजना के तहत हुए निवेश ने लगभग 14 लाख नए रोजगार सृजित किए हैं। बीते नौ वर्षों में देश में 17 करोड़ से अधिक नए रोजगार के अवसर बने हैं। उन्होंने कहा कि नियंत्रित महंगाई, बढ़ता निर्यात और 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन जैसी योजनाएं यह दर्शाती हैं कि सरकार विकास के साथ-साथ जनकल्याण को प्राथमिकता दे रही है।

गौ विज्ञान परीक्षा के पोस्टर का विमोचन : कलेक्ट्रेट सभागार में जुटीं शिक्षा व सामाजिक क्षेत्र की हस्तियां

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली गौ विज्ञान परीक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए परीक्षा पत्रक का विमोचन जिला कलेक्ट्रेट सभा भवन में आयोजित किया। अध्यक्षता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग संघचालक फतह चंद सामसुखा ने की, जबकि मुख्य अतिथि मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी नूतन प्रकाश जोशी रहे। कार्यक्रम में जिला संघचालक मीठालाल शर्मा, सीबीईओ (खमनोर) लक्ष्मण गिरी गोस्वामी, एसीबीईओ (आमेट) नारायण सिंह राव, जिला साक्षरता अधिकारी राजेंद्र गुर्जर, एडीईओ राजेंद्र सिंह चारण, एपीसी छगनलाल पूर्बिया और पंकज सालवी विशिष्ट अतिथि थे। जिला गौ सेवा संयोजक शंकर पूर्बिया ने बताया कि विगत 10 वर्षों से बालकों में गौ माता के प्रति संवेदना, सम्मान और वर्तमान समय में उनके महत्व को स्थापित करने के उद्देश्य से यह परीक्षा आयोजित की जा रही है। परीक्षा का आयोजन प्रथम चरण में विद्यालय स्तर, द्वितीय चरण में जिला स्तर और तत्पश्चात प्रदेश स्तर पर किया जाएगा। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में विभाग संघचालक फतह चंद सामसुखा ने कहा कि भारतीय जनमानस में गौ माता का पूज्य स्थान है और उनके बिना भारत की कल्पना भी संभव नहीं है। आने वाली पीढ़ी में गौ सेवा के संस्कार जगाना ही इस परीक्षा का मूल उद्देश्य है।

राजसमंद। कलेक्ट्रेट सभा भवन में आयोजित कार्यक्रम में गौ विज्ञान परीक्षा के पोस्टर का विमोचन करते अतिथि।

शिक्षा विभाग देगा पूरा सहयोग

जिला शिक्षा अधिकारी नूतन प्रकाश जोशी ने गौ माता के सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए परीक्षा आयोजन में शिक्षा विभाग की ओर से पूर्ण सहयोग का विश्वास दिलाया। शैक्षिक महासंघ के जिलाध्यक्ष शंकर माली ने संगठन के माध्यम से अधिक से अधिक विद्यालयों तक परीक्षा का आयोजन करवाने का आग्रह किया। इस दौरान अतिथियों ने गौ विज्ञान परीक्षा के पत्रक का विधिवत विमोचन किया। इस दौरान विभाग गौ सेवा प्रमुख शंकर जोशी, संगठन मंत्री सतीश आचार्य, सम्भाग संगठन मंत्री वीणा वैष्णव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुजीत त्रिपाठी, जिला मीडिया प्रभारी राजेंद्र सिंह चारण, महिला उपाध्यक्ष मधु पालीवाल, राजसमंद अध्यक्ष विनोद आचार्य, मंत्री ईश्वर सिंह कुंभावत, कुंवारिया अध्यक्ष मांगीलाल सुथार, जिला कोषाध्यक्ष दिनेश शर्मा, कल्पना खंडेलवाल, राजेंद्र आचार्य, घनश्याम खत्री, राधेश्याम राणा, राजेश सोनी, कमलेश टेलर, विक्रम देवल, रामेश्वर गुर्जर, संदीप नंदवाना, धर्म चंद माली और चंद्र प्रकाश साहू सहित प्रबुद्धजन मौजूद थे।

एमजीजीएस कोठारिया में आइडियाथॉन-2026 आयोजित : छात्राओं ने बनाए एआई फायर रेस्क्यू व स्मार्ट हेलमेट के मॉडल

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय कोठारिया में अर्पण सेवा संस्थान एवं कोडविद्या के संयुक्त सहयोग से स्कूल स्तरीय आइडियाथॉन-2026 का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यालय की छात्राओं ने अपनी वैज्ञानिक सोच और रचनात्मकता का परिचय देते हुए तकनीक आधारित कई अभिनव प्रोजेक्ट्स प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता के दौरान छात्राओं ने एआई फायर रेस्क्यू, सोलर पावर सिस्टम, लोकल हेल्प ऐप तथा स्मार्ट हेलमेट जैसे नवाचारों के

राजसमंद। कोठारिया के महात्मा गांधी राजकीय स्कूल में आयोजित आइडियाथॉन-2026 के तहत पोस्टर विमोचन करते विद्यार्थी।

मॉडल प्रदर्शित किए। प्राथमिक चरणों से चयनित 9 टीमों ने निर्णायक मंडल के समक्ष अपने विचारों और प्रोजेक्ट्स का प्रभावी प्रदर्शन किया। कड़े मुकाबले के बाद एआई फायर रेस्क्यू परियोजना ने प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया। विजेता टीम को मोमेंटो व प्रमाण-पत्र तथा सभी प्रतिभागी छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सरपंच अजयसिंह चौहान, विजयसिंह चौहान तथा सामाजिक कार्यकर्ता संगीता कुंवर चौहान थे। संस्थाप्रधान रजनीकांता पुरोहित ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन छात्राओं में तकनीकी ज्ञान, रचनात्मकता एवं व्यावहारिक कौशल विकसित करते हैं। अतिथियों ने कहा कि आइडियाथॉन जैसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और समस्या-समाधान की क्षमता का विकास करते हैं, जिससे वे भविष्य की तकनीकी व व्यावसायिक चुनौतियों के लिए तैयार हो सकें।

द्वारकाधीश कन्या महाविद्यालय में एबीवीपी द्वारा खेलो भारत प्रतियोगिता का आयोजन

छात्राओं ने दिखाया खेल कौशल

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। भावा स्थित द्वारकाधीश कन्या महाविद्यालय में आयोजित खेलो भारत प्रतियोगिता में विजेता छात्राओं को सम्मानित करते प्रोफेसर।

राजसमंद। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा द्वारकाधीश कन्या महाविद्यालय कांकरोली में खेलो भारत गतिविधि के तहत खेल प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लेते हुए विभिन्न खेलों में अपनी उत्कृष्ट खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। एबीवीपी प्रांत कार्य समिति सदस्य गोपाल कुमावत ने बताया कि विद्यार्थी परिषद खेलो भारत आयाम के जरिए युवाओं में खेल के प्रति सकारात्मक ऊर्जा, स्वस्थ शरीर, स्वस्थ मन और खेल भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से नियमित रूप से प्रतियोगिताओं का आयोजन करती है। इसी कड़ी में कन्या महाविद्यालय में इन खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रांत कार्यकारिणी सदस्य नीता सुथार ने बताया कि खेल प्रतियोगिता के तहत रस्सा-कसी, बैडमिंटन और 100 मीटर दौड़ का आयोजन किया गया। रस्सा-कसी प्रतियोगिता में वैशाली गुर्जर, माया गुर्जर, टीना राठौड़ और दिव्यांशी राठौर की टीम प्रथम विजेता रही। वहीं बैडमिंटन स्पर्धा में दिव्यांशी राठौर ने प्रथम तथा नीता सुथार ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा 100 मीटर दौड़ में खुशी सुथार ने प्रथम, चेतना सालवी ने द्वितीय और ललित कुंवर राव ने तृतीय स्थान हासिल किया।

तृतीय पीठाधीश डॉ वागीश कुमार महाराज के कांकरोली पधारने पर स्वागत

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। तृतीय पीठाधीश्वर डॉ वागीश कुमार महाराज के कांकरोली मंदिर में पहुंचने पर पुष्पवर्षा कर स्वागत करते मंदिर अधिकारी व सेवादार।

राजसमंद। श्री पुष्टिमार्गीय तृतीय पीठ प्रन्यास कांकरोली के द्वारकाधीश मंदिर के पीठाधीश गोस्वामी वागीश कुमार महाराज के मंदिर आगमन पर मंदिर के गोवर्धन चौक में मंदिर गार्ड ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर की सलामी दी। इस दौरान मंदिर अधिकारी भगवतीलाल पालीवाल, मुख्य समाधानी राजकुमार गोरवा, मंदिर सलाहकार डॉ जयेश भाई शाह, केशव सांचिहर, कार्यालय अधीक्षक बंशीलाल पालीवाल, सहायक अधिकारी मनोहर कृष्ण व्यास व सहित कर्मचारियों ने पुष्पवर्षा की मदनलाल शर्मा, श्यामलाल, सोहनलाल, भगवतीलाल अजमेरा और माला पहनाकर महाराज का स्वागत किया। इस दौरान मौजूद वैष्णव जनों और श्रद्धालुओं ने महाराज को प्रणाम कर उनका आशीर्वाद लिया। तत्पश्चात तृतीय पीठ के पीठाधीश्वर ने गादी में पहुंचकर गुसाई व बालकृष्णलाल महाराज के चरणों में साष्टांग दंडवत किया। गादी दर्शन के बाद महाराज ने सीधे बैठक में पहुंचकर मंदिर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने आगामी जन्माष्टमी और नंद महोत्सव पर्व के आयोजनों को लेकर मंदिर अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ विस्तार से चर्चा की।

पोर्नोग्राफिक ऐप्स के जरिए मोबाइल का कंट्रोल हासिल कर रहे साइबर ठग

- राजस्थान पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। राजस्थान में साइबर ठगों ने आमजन को चपत लगाने का नया तरीका निकाला है। साइबर अपराधी सोशल मीडिया पर अश्लील विज्ञापनों और फर्जी पोर्नोग्राफिक ऐप्स के जरिए मोबाइल का पूरा एक्सेस हासिल कर लोगों के बैंक खातों से पैसे उड़ा रहे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए महानिदेशक पुलिस (डीजीपी) राजीव कुमार शर्मा के निर्देश पर साइबर क्राइम शाखा ने आमजन के लिए विस्तृत एडवाइजरी जारी की है। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (साइबर क्राइम) वीके सिंह ने बताया कि ठग टेलीग्राम, फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म्स पर अश्लील विज्ञापनों के जरिए लोगों को लुभाते हैं। इन विज्ञापनों पर क्लिक करते ही यूजर फिशिंग वेबसाइट पर पहुंच जाता है, जहां से नाईट प्ले, रीलुप, किस, विमो, रिवो और नेक्सो जैसे संदिग्ध ऐप्स डाउनलोड करवा दिए जाते हैं। संदिग्ध ऐप इंस्टॉल होने के बाद अपडेट के नाम पर दूसरा घातक पैकेज डाउनलोड कराया जाता है। इसके बाद यूजर से एक्सेसिबिलिटी परमिशन मांग ली जाती है। अनुमति मिलते ही ठग मोबाइल में वायरस सक्रिय कर डिवाइस का पूरा कंट्रोल अपने हाथ में ले लेते हैं। कुछ ऐप्स फोन में वीपीएन भी इंस्टॉल कर देते हैं, जिससे पूरा इंटरनेट ट्रैफिक ठगों के सर्वर से संचालित होने लगता है और वे आसानी से अनधिकृत वित्तीय लेनदेन कर लेते हैं।

सुरक्षा के लिए रखें ये सावधानियां

सोशल मीडिया विज्ञापनों, अज्ञात वेबसाइटों या संदिग्ध लिंक से कभी भी डाउनलोड न करें तथा किसी अनजान ऐप को एक्सेसिबिलिटी परमिशन न दें। ऐप्स हमेशा केवल गूगल प्ले स्टोर या आधिकारिक ऐप स्टोर से ही डाउनलोड करने चाहिए। इसके साथ ही गूगल प्ले प्रोटेक्ट को चालू रखें, मोबाइल को अपडेट रखें तथा अपने बैंक खातों व यूपीआई ट्रांजैक्शंस पर नियमित रूप से नजर रखें। यदि कोई संदिग्ध ऐप सामान्य तरीके से अनइंस्टॉल नहीं हो रहा है, तो पावर बटन को लॉन्ग प्रेस कर फोन को सेफ मोड रीस्टार्ट करें। इसके बाद सेटिंग एप्स में जाकर संदिग्ध ऐप को अनइंस्टॉल कर दें। ऐप हटाने के बाद फोन को दोबारा सामान्य रूप से रीस्टार्ट करने पर सेफ मोड अपने आप हट जाएगा। साइबर ठगी या वित्तीय धोखाधड़ी का शिकार होने पर तुरंत निकटतम पुलिस स्टेशन, साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल, साइबर हेल्पलाइन नंबर या साइबर हेल्पडेस्क नंबर पर शिकायत दर्ज कराएं।

एसआरके कॉलेज में उद्यमिता पखवाड़े के तहत कार्यक्रम आयोजित

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। स्वावलंबी भारत अभियान के अंतर्गत सेठ रंगलाल कोठारी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में एक दिवसीय विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान आमंत्रित सफल उद्यमियों एवं विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों से सीधा संवाद कर उनका मार्गदर्शन किया। मरुधरा केयर चैंबर स्टार्टअप के मैनेजिंग डायरेक्टर जयादित्य सिंह ने नया व्यवसाय शुरू करने की प्रक्रिया, बाजार विश्लेषण, वित्तीय प्रबंधन, डिजिटल माध्यमों की भूमिका और सरकार द्वारा संचालित विभिन्न स्टार्टअप योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को पारंपरिक नौकरियों के बजाय स्वरोजगार को करियर के रूप में चुनने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान कॉलेज के आई स्टार्टअप सेल और स्किल डेवलपमेंट सेल के संयुक्त तत्वावधान में विद्यार्थियों के लिए स्टार्टअप एवं बिजनेस आइडिया प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

संक्षिप्त खबरें

सुन्दरचा अगरबत्ती फैक्ट्री में निकले 7 फीट लंबे अजगर का सुरक्षित रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा

राजसमंद। सुन्दरचा अगरबत्ती फैक्ट्री में निकले अजगर का सुरक्षित रेस्क्यू करते वन्यजीव प्रेमी नवीन गहलोत।

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। जिला मुख्यालय के समीपवर्ती सुन्दरचा गांव में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक अगरबत्ती फैक्ट्री में 7 फीट लंबा विशाल अजगर निकल आया। अजगर को देखकर फैक्ट्री परिसर में मौजूद लोगों में कुछ देर के लिए दहशत फैल गई। फैक्ट्री के मालिक सुनील लड्ढा ने तत्परता दिखाते हुए इसकी सूचना पिपरड़ा निवासी वन्यजीव प्रेमी नवीन गहलोत को दी। सूचना मिलते ही गहलोत अपनी टीम के सदस्य विकास, यशवंत और राजेश के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। टीम ने सावधानीपूर्वक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाते हुए 7 फीट लंबे अजगर को सुरक्षित पकड़ लिया और उसे बोरे में बंद किया। वन्यजीव प्रेमियों ने वन विभाग के वनरक्षक किशन गायरी को घटना की सूचना दी। वन विभाग के संज्ञान में लाने के बाद अजगर को आबादी क्षेत्र से दूर ले जाकर सुरक्षित रूप से वापस जंगल में छोड़ दिया गया, जिसके बाद फैक्ट्री मालिक और कर्मचारियों ने राहत की सांस ली।

पेंशनर समाज ने नव-पदस्थापित अतिरिक्त जिला कलेक्टर का किया स्वागत

राजसमंद। नव-पदस्थापित अतिरिक्त जिला कलेक्टर राजकुमार कस्वा का स्वागत करते पेंशनर समाज सदस्य।

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। राजस्थान पेंशनर समाज के जिलाध्यक्ष पारस पितलिया के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने नव-पदस्थापित अतिरिक्त जिला कलेक्टर राजकुमार कस्वा से शिष्टाचार भेंट कर उनका स्वागत किया। मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने एडीएम को आरजीएचएस योजना के तहत पेंशनर्स को दवाइयां लेने एवं इलाज कराने में आ रही व्यावहारिक परेशानियों से अवगत कराया। इसके साथ ही पेंशनर विश्रांति भवन के निर्माण को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। अतिरिक्त जिला कलेक्टर कस्वा ने पेंशनर्स की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनते हुए प्रशासनिक स्तर पर उनके शीघ्र समाधान का पूर्ण आश्वासन दिया। इस दौरान गणपतलाल धर्मावत, भागीरथलाल वैष्णव, वर्दीचंद जीनगर, किशनलाल पालीवाल, किशन कबीरा, राम विजयवर्गीय और दिनेश श्रीमाली सहित पेंशनर्स मौजूद थे।

सविता इंटरनेशनल स्कूल नांदोली में साइबर सुरक्षा कार्यशाला आयोजित

- विद्यार्थियों को दिलाई शपथ

राजसमंद। सविता इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित साइबर सुरक्षा कार्यशाला में विद्यार्थियों को जागरूक करते अधिकारी।

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। साइबर सुरक्षित राजस्थान अभियान के तहत एसपी हेमंत कलाल के निर्देशन एवं साइबर पुलिस थाना राजसमंद के उप अधीक्षक दुर्गाप्रसाद दाधीच के नेतृत्व में नांदोली स्थित सविता इंटरनेशनल स्कूल में साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला, क्विज प्रतियोगिता एवं शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यशाला में कांस्टेबल डालूराम सालवी ने विद्यार्थियों को फर्जी लॉटरी, पार्ट-टाइम जॉब, केवाईसी अपडेट और संदिग्ध लिंक से दूर रहने की सलाह दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि ओटीपी, यूपीआई पिन या पासवर्ड किसी से साझा न करें, क्योंकि सतर्कता ही साइबर सुरक्षा की पहली सीढ़ी है। प्रोग्रामर खैरूल वसीम ने ऑनलाइन गेमिंग फ्रॉड, साइबर बुलिंग, फेक प्रोफाइल और मॉर्फिंग जैसे अपराधों की जानकारी देते हुए सोशल मीडिया का जिम्मेदारी से उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। निरीक्षक गिरधारी सिंह ने साइबर ठगी होने की सूरत में बिना घबराए राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल और हेल्पलाइन नंबर 1930 पर तुरंत शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया समझाई। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों और शिक्षकों को साइबर सुरक्षा की शपथ दिलाई गई तथा साइबर क्विज प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। विद्यालय प्रधानाचार्य योगेश चंद्र पुर्बिया ने साइबर टीम का आभार व्यक्त किया। इस दौरान सुरेंद्र पुर्बिया और प्रकाश चंद्र कुमावत सहित छात्र-छात्राए मौजूद थी।

संक्षिप्त खबरें

पूर्व विधायक गणेश सिंह परमार के जन्मदिवस पर केलवाड़ा अस्पताल में मरीजों को बांटे फल

केलवाड़ा। जन्मदिवस पर अस्पताल में मरीजों को फल बाटते पूर्व विधायक गणेश सिंह परमार सहित अन्य कार्यकर्ता।

जयवर्द्धन न्यूज़

केलवाड़ा। पूर्व विधायक गणेश सिंह परमार के जन्मदिवस पर केलवाड़ा अस्पताल में मरीजों को फल वितरित कर सादगी एवं सेवाभाव के साथ मनाया गया। जन्मदिवस पर कांग्रेस के स्थानीय, ब्लॉक एवं जिला स्तरीय पदाधिकारियों तथा कार्यकर्ताओं ने अस्पताल पहुंचकर भर्ती मरीजों की कुशलक्षेम पूछी। कार्यकर्ताओं ने मरीजों को फल वितरित करते हुए पूर्व विधायक के दीर्घायु एवं निरोगी जीवन की कामना की। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने परमार द्वारा किए गए जनसेवा के कार्यों को याद किया और कहा कि उनके जन्मदिवस पर सेवा गतिविधियां आयोजित करना जनहित का सकारात्मक संदेश देता है। कार्यक्रम में मौजूद कांग्रेस पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने आपसी सौहार्द के साथ जन्मदिवस मनाते हुए भविष्य में भी जनसेवा के कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

राजकीय कन्या महाविद्यालय में रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर का हुआ उद्घाटन

नाथद्वारा। राजकीय कन्या महाविद्यालय में आयोजित रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर में छात्राओं को संबोधित करते एसएचओ विक्रम सिंह राणावत।

जयवर्द्धन न्यूज़

नाथद्वारा। राजकीय कन्या महाविद्यालय में महिला प्रकोष्ठ के तत्वावधान में छात्राओं के लिए रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन सत्र आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को आत्मरक्षा की व्यावहारिक तकनीकों से परिचित कराने के साथ-साथ उनमें आत्मविश्वास, साहस और आत्मनिर्भरता की भावना विकसित करना है। मुख्य अतिथि नाथद्वारा एसएचओ विक्रम सिंह राणावत ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में हर युवती के लिए आत्मरक्षा का प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने छात्राओं से सजग, साहसी एवं आत्मविश्वासी बनने का आह्वान करते हुए कहा कि आत्मरक्षा का ज्ञान विषम परिस्थितियों का सामना करने में सक्षम बनाता है। प्राचार्य प्रो मोनिका रोत ने कहा कि छात्राओं की सुरक्षा और सशक्तीकरण संस्था की प्राथमिकताओं में शामिल है। रानी लक्ष्मीबाई के साहस और वीरता से प्रेरणा लेकर छात्राओं को निर्भीक बनना चाहिए। शिविर समन्वयक डॉ जया कुम्पावत ने बताया कि प्रशिक्षण के माध्यम से छात्राओं को आकस्मिक परिस्थितियों में स्वयं की सुरक्षा के लिए सक्षम बनाया जाएगा। संचालन एवं नेतृत्व डॉ कुम्पावत ने किया।

टारगेट केसेज के विरोध में राजसमंद बार एसोसिएशन का कार्य बहिष्कार तीसरे दिन भी जारी

जयवर्द्धन न्यूज़

- 6 सितंबर को उदयपुर में होगी संभाग स्तरीय बैठक

ब्यूरो/नवज्योति, राजसमंद। बार एसोसिएशन के समस्त अधिवक्ता न्यायिक कार्यों के निस्तारण में टारगेट केसेज की व्यवस्था के विरोध में तीसरे दिन भी अनवरत रूप से अदालती कामकाज से विरत रहे। अधिवक्ताओं के कार्य बहिष्कार के चलते न्यायालयों में न्यायिक कामकाज प्रभावित रहा। अधिवक्ताओं का कहना है कि वर्तमान में न्यायालयों द्वारा टारगेट केसेज के नाम पर मुकदमों के त्वरित और शीघ्र निस्तारण का दबाव बनाया जा रहा है। इस व्यवस्था से न्याय प्रणाली की निष्पक्षता और वास्तविक न्याय मिलने की संभावना धूमिल हो रही है, जिससे संपूर्ण राजस्थान के अधिवक्ता समुदाय में गहरा आक्रोश व्याप्त है। मामले का शीघ्र समाधान निकालने और आगे की रणनीति तय करने के लिए संभाग स्तर पर लामबंदी शुरू कर दी गई है। इसके तहत आगामी रविवार को संभाग स्तर पर विशाल बैठक का आयोजन किया जाएगा, जिसमें जिले सहित संभाग के समस्त अधिवक्ता वृहद स्तर पर एकत्रित होकर आंदोलन की भावी रूपरेखा तय करेंगे।

राजसमंद। टारगेट केसेज के विरोध में कार्य बहिष्कार करते अधिवक्ता।

कोमल मुनि के जन्मोत्सव पर आयोजित रक्तदान शिविर में 29 यूनिट रक्त एकत्रित

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। श्रीअंबेश सौभाग्य नवयुवक मंडल संयुक्त मेवाड़ एवं भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी जिला शाखा के संयुक्त तत्वावधान में कोमल मुनि के जन्मोत्सव पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुंवारिया में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी के मानद सचिव बृजलाल कुमावत ने बताया कि शिविर में युवाओं और समाजसेवियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। शिविर के दौरान 29 उत्साहवर्धक व्यक्तियों ने स्वैच्छिक रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया। वहीं 18 अन्य व्यक्तियों ने आवश्यकता पड़ने पर भविष्य में रक्तदान करने का संकल्प पत्र भरा। रक्तदान शिविर में विशेष उत्साह देखने को मिला, जहां नरेंद्र चपलोत एवं उनकी धर्मपत्नी किरण चपलोत ने एक साथ रक्तदान कर समाज के सामने मिसाल पेश की।

राजसमंद। कुंवारिया में कोमल मुनि के जन्मोत्सव पर रक्तदान करने वाले रक्त वीरों का सम्मान करते अतिथि।

वहीं युवा समाजसेवी अर्पित विजयवर्गीय ने अपने जीवन का 50वां रक्तदान कर अनूठी उपलब्धि हासिल की। शिविर में अंबेश सौभाग्य नवयुवक मंडल अध्यक्ष बबलू रांका, महामंत्री रोनक सियाल, मंत्री ललित कच्छारा, विजय प्रकाश पीपाड़ा, संयुक्त सचिव दीपचंद गाडरी, गोपाललाल सरगरा और सुरेंद्र सिंह रांकावत ने सेवाएं दी। इस दौरान आरके राजकीय चिकित्सालय के ब्लड सेंटर की टीम से डॉ अभिषेक व्यास, तकनीशियन युगल किशोर पालीवाल, नर्सिंग ऑफिसर अतुल वैष्णव, रमेश सुथार, सिद्धार्थ सेन और अनिल यादव सहित चिकित्साकर्मियों ने सेवाएं प्रदान की।

हिंदी दिवस पर नाथद्वारा में साहित्यकारों का तीन दिवसीय महाकुंभ 12 सितंबर से

जुटेंगे देशभर के 200 साहित्यकार

जयवर्द्धन न्यूज़

नाथद्वारा। साहित्य मंडल श्रीनाथद्वारा की ओर से हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय हिंदी लाओ देश बचाओ समारोह 12 से 14 सितंबर तक श्रीभगवती प्रसाद देवपुरा प्रेक्षागृह में आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन में देशभर से लगभग 200 साहित्यकार, पत्रकार और संपादक भाग लेंगे। संस्था के प्रधानमंत्री श्याम प्रकाश देवपुरा ने बताया कि तीन दिवसीय समारोह के दौरान हिंदी उपनिषद् और हिंदी हुंकृति के विभिन्न सत्रों में विद्वान हिंदी भाषा की चुनौतियों, संभावनाओं और उसकी राष्ट्रीय मर्यादा पर व्याख्यान देंगे। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों के साहित्यकारों, पत्रकारों और संपादकों को स्मृति सम्मान, नकद राशि और मानद उपाधियों से अलंकृत किया जाएगा। इसके साथ ही करीब 30 नवीन पुस्तकों का लोकार्पण और अखिल भारतीय कवि सम्मेलन आयोजित होगा। समारोह का शुभारंभ 12 सितंबर को सुबह 9:15 बजे राष्ट्रभाषा गान, वंदना और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ होगा। प्रथम सत्र में महाराष्ट्र, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, गुजरात और जम्मू-कश्मीर में हिंदी भाषा की स्थिति और चुनौतियों पर विद्वान अपने विचार व्यक्त करेंगे। इसी दिन संतोष कुमार आरजे जेमि को जीवनलाल अग्निहोत्री स्मृति सम्मान और उमेश पाठक को बृजकांत साहित्य सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। दोनों को 5100 रुपये की राशि व साहित्य मर्मज्ञ मानद उपाधि दी जाएगी।

दूसरा दिनः संगोष्ठी, पत्रकार सम्मान और कवि सम्मेलन 13 सितंबर

13 सितंबर को हिंदी की राष्ट्रीय मर्यादा और लोकतंत्रीय प्रतिमान, डिजिटल युग में हिंदी की भूमिका और असम में हिंदी की वर्तमान स्थिति जैसे विषयों पर द्वितीय उपनिषद् सत्र में व्याख्यान होंगे। इस दिन देश के विभिन्न साहित्यकारों को हिंदी भाषा भूषण तथा पत्रकारों व संपादकों को पत्रकार-संपादन प्रवीण मानद उपाधि से नवाजा जाएगा। वहीं शाम 8 बजे अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन होगा, जिसमें देश के प्रख्यात कवि काव्यपाठ करेंगे। तथा 14 सितंबर को सुबह साहित्यकारों की नगर परिक्रमा संस्था परिसर से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों, बाजारों और चौपाटियों से होती हुई पुनः परिसर पहुंचेगी। इसके बाद तृतीय उपनिषद् सत्र में विश्वभाषा की ओर हिंदी के बढ़ते कदम विषय पर मंथन होगा। अंतिम दिन इतिहास वेत्ता, संगीत शिरोमणि, समाज साहित्य सेवा, पत्रकार-संपादक प्रवर तथा हिंदी साहित्य-काव्य भूषण की मानद उपाधियों से विभिन्न विभूतियों को अलंकृत किया जाएगा। साहित्य मंडल की ओर से बाहर से आने वाले सभी साहित्यकारों के आवास व भोजन की व्यवस्था निःशुल्क की गई है।

सूने मकानों में चोरी करने वाली गिरोह का पर्दाफाशः दिवेर पुलिस ने दो शातिर चोरों को किया गिरफ्तार

जयवर्द्धन न्यूज़

दिवेर। दिवेर थाना पुलिस ने रात्रि के समय सूने और बंद पड़े मकानों में चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाली गिरोह का खुलासा करते हुए दो शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। मामला महासिंह जी का खेड़ा निवासी हरिओम सिंह चुंडावत द्वारा दर्ज कराई गई रिपोर्ट से जुड़ा है। उन्होंने 21 अगस्त की रात अपने, अपने बड़े पिता गणपत सिंह और बड़े भाई प्रद्युम्नसिंह के बंद मकानों में हुई चोरी की शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। एसपी हेमंत कलाल के निर्देशन, एएसपी महेंद्र पारीक और भीम वृत्ताधिकारी राकेश वर्मा के पर्यवेक्षण में दिवेर थानाधिकारी सवाई सिंह के नेतृत्व में एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। टीम ने घटनास्थल और आसपास के इलाकों में दर्जनों सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली तथा साइबर सेल व तकनीकी सहायता से आरोपियों को ट्रेस किया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए किशनपुरा थाना देवगढ़ निवासी उम्मेदसिंह (26) पुत्र दलपत सिंह उर्फ दल्ला सिंह रावत तथा पन्ना सिंह (24) पुत्र प्रेमसिंह रावत को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर चोरी की वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया है। पुलिस फिलहाल आरोपियों से गहन पूछताछ कर माल बरामदगी के प्रयास कर रही है। कार्रवाई में थानाधिकारी सवाई सिंह, एएसआई मधुसूदन, शंभूप्रताप सिंह (साइबर सेल), हेड कांस्टेबल कालूसिंह, कांस्टेबल तेजपालसिंह, सचिन, सीताराम, संदीप, रंगलाल, सुरेंद्र, बुधाराम (साइबर सेल), मुकेश, पृथ्वीराज और राजेश की सराहनीय भूमिका रही।

उमराण विद्यालय में चोरी : दानपेटी तोड़कर नकदी ले गए बदमाश

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। जिले में दिवेर थाना क्षेत्र के उमराण गांव स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय में चोरों ने बिति रात चोरी की वारदात को अंजाम दिया। बदमाश विद्यालय कार्यालय के पीछे लगी रोशनदान की जाली हटाकर अंदर घुसे और दानपेटी का ताला तोड़कर उसमें रखी करीब 3 हजार रुपये की नकदी चोरी कर ले गए। संस्था प्रधान जगदीशचंद्र खटीक ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि 26 अगस्त की रात गांव में चोरी की घटनाओं को लेकर ग्रामीणों में भय का माहौल था। रात करीब 10 बजे उनके घर पर भी पत्थर फेंके गए। इसके बाद उन्होंने विद्यालय में कार्यरत एक बच्चे कमलेश को विद्यालय की स्थिति देखने के लिए भेजा। बच्चे ने लौटकर बताया कि विद्यालय कार्यालय के पीछे से बदमाश अंदर घुसे हैं और दानपेटी का ताला तोड़ दिया है। रिपोर्ट के अनुसार दानपेटी में करीब 3 हजार रुपये की नकदी रखी थी। यह राशि पूर्व में आयोजित कार्यक्रम के दौरान एकत्र हुई थी। बदमाश दानपेटी तोड़कर नकदी ले गए। संस्था प्रधान ने रिपोर्ट में पूर्व में हुई चोरी की एक घटना का भी उल्लेख किया गया है, जिसमें गैस का बर्तन एवं नकदी चोरी होने की बात कही गई है। संस्था प्रधान ने पुलिस से मामले की जांच कर चोरी की वारदात का खुलासा करने तथा दोषी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

कामलीघाट चौराहे पर पांच माह से पेयजल संकट : महिलाओं ने प्रदर्शन की चेतावनी

जयवर्द्धन न्यूज़

देवगढ़। ग्राम पंचायत विजयपुरा के कामलीघाट चौराहे पर नियमित पेयजल आपूर्ति नहीं होने से क्षेत्रवासियों, विशेषकर महिलाओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में महिलाओं ने उपखंड अधिकारी देवगढ़ को ज्ञापन देकर समस्या के शीघ्र समाधान की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया कि पूर्व में कामलीघाट चौराहे पर एक दिन छोड़कर नियमित रूप से पानी की आपूर्ति होती थी, लेकिन वर्तमान में स्थिति बेहद खराब हो गई है। अब महीने में मुश्किल से दो बार ही जलापूर्ति हो रही है। महिलाओं का आरोप है कि नल आपूर्ति से जुड़े कर्मचारियों को फोन करने पर मोटर जलने सहित विभिन्न कारण बताकर समस्या को टाल दिया जाता है। महिलाओं के अनुसार यह समस्या पिछले करीब पांच माह से बनी हुई है, जिससे दैनिक जरूरतों के लिए पानी की गंभीर परेशानी हो रही है। महिलाओं ने उपखंड अधिकारी से मांग की है कि पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को जल्द से जल्द सुचारू करवाया जाए। महिलाओं ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र समस्या का समाधान नहीं किया गया तो वे कामलीघाट चौराहे पर प्रदर्शन करने को मजबूर होंगी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक ललिता कुंवर के लिये मुद्रक वेदान्त प्रभाकर द्वारा मेधा कप्यूटर्स, नंद भवन, कांवाखेड़ा पार्क के पास, भीलवाड़ा से मुद्रित व ग्राम बागोटा, डाकघर सांगठकला जिला राजसमंद, राजस्थान - 313324 से प्रकाशित । संपादक - लक्ष्मण सिंह राठौड़ । पत्र पंजीयन संख्या आर.एन.आई. RJBIL/26/A5478। सभी प्रकार के प्रसंगो का न्याय क्षेत्र राजसमंद ही रहेगा ।